प्रयोगशाला से मानव जीवन तकः वैज्ञानिकों का विज्ञान को मानव आवश्यकताओं से जोड़ का आव्हान, एएमयू में परमाणु विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस आरंभ

प्रावदा संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा परमाणु संरचना और परमाणु प्रतिक्रियाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनएसएनआर–2025) का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया गया, जिसमें भारत और विदेशों के प्रमुख संस्थानों के प्रख्यात वै. ज्ञानिक, शोधकर्ता और शिक्षाविद एक साथ भामिल हुए।

मुख्य अतिथि भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के अध्यक्ष डॉ. डी. के. शुक्ला ने परमाणु ऊर्जा की बहुमुखी भूमिका पर बोलते हुए कहा कि न केवल बिजली उत्पादन में बल्कि स्वास्थ्य सेवा, कृषि और उद्योग जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक अनुप्रयोगों में भी परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने न्यूक्लीयर पावर प्लांट की सुरक्षा के बारे में अपनाये जाने वाले तरीकों की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें इस बात का विशेश ध्यान रखा जाता है कि एटोमिक ऊर्जा का उत्पादन न केवल सुरक्षित हो बल्कि कार्बन मुक्त भी हो। प्रो. शुक्ला ने ऊर्जा उत्पादन की तेजी से बढ़ती मांग के दृश्टिगत उसके समक्ष आने वाली चुनौतियों पर भी विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने सम्मेलन को परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड से प्राप्त सहयोग को रेखांकित करते हुए कहा कि इससे परमाणु सुरक्षा, विनियमन और अत्याधुनिक अनुसंधान पर उच्च स्तरीय व्याख्यानों को बढ़ावा देने में इसके महत्व को मान्यता मिली है।

कुलपति प्रो. नईमा खातून ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और शिक्षण और अनुसंधान दोनों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में विभाग की दूरदर्शी भूमिका की सराहना की। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय में एएमयू की स्थायी वि. रासत और देश में परमाणु विज्ञान को आगे बढ़ाने में इसके महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया।

प्रो. ए. के. जैन (आईआईटी रुड़की) ने एएमयू में परमाणु अनुसंधान की विरासत पर बात की और वैज्ञानिक सहयोग और उत्कृष्टता के पोषण में इस तरह के सम्मेलनों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

एनपीसीआईएल के निदेशक (संच. ालन) डॉ. एस. डी. परसवार ने भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और राष्ट्र के लिए टिकाऊ और सुरक्षित ऊर्जा समाधान सुनिश्चित करने में परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। प्रोफेसर ए. के. चौबे, सम्मानित अतिथि और भौतिकी विभाग के पूर्व अध्यक्ष, ने व्यक्तिगत विचार साझा किए और अकादमिक और अनुसंधान परंपराओं के बारे में बात की, जिन्होंने दशकों से विभाग की यात्रा को आकार दिया है।

विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर सरताज तबस्सुम ने सम्मेलन के आयोजन में विभाग के नेतृत्व की सराहना की और उच्च प्रभाव वाले वैज्ञानिक प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए संकाय की प्रतिबद्धता दो. हराई।

इससे पूर्व, भौतिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनीसुल ऐन उस्मानी ने उपस्थितजनों और प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और परमाणु भौतिकी के क्षेत्र में विभाग की समृद्ध शैक्षणिक विरासत और उपलब्धियों का उल्लेख किया।

सम्मेलन के संयोजक प्रो. बी. पी. सिंह ने सम्मेलन के विषयों का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें विदेशी नाभिक की परमाणु संरचना, भारी–आयन प्रतिक्रिया गतिशीलता, संलयन और विखंडन प्रक्रियाएं और चिकित्सा, ऊर्जा और उद्योग में परमाणु तकनीकों का अनुप्रयोग शामिल हैं। उन्होंने राष्ट्रीय अनुसंधान कार्यक्रमों में विभाग के दीर्घकालिक योगदान और परमाणु भौतिकविदों की पीढ़ियों को प्रशिक्षित करने में इसकी भूमिका पर भी जोर दिया।

सम्मेलन में विभिन्न प्रमुख संस्थानों के प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा 80 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और 30 आमंत्रित वार्ताएँ होंगी। आमंत्रित वक्ताओं में से कुछ आभासी रूप से भाग ले रहे हैं, व्यक्तिगत बाधाओं के कारण अपनी बातचीत ऑनलाइन दे रहे हैं।

कार्यक्रम का समापन सह–संयोजक प्रो. शकेब अहमद द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने कार्यक्रम का संच. ालन भी किया।

मण्डलायुक्त 13 मई को

दैनिक रूहेला टाइगर्स टाइम्स रामपुर 06-05-2025 मंगलवार

प्रयोगशाला से मानव जीवन तकः वैज्ञानिकों का विज्ञान को मानव आवश्यकताओं से जोड़ का आव्हान, एएमयू में परमाणु विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस आरंभ

रूहेला टाइगर्स टाइम्स

अलीगढ़, 5 मईः अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा परमाणु संरचना और परमाणु प्रतिक्रियाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनएसएनआर–2025) का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया गया, जिसमें भारत और विदेशों के प्रमुख संस्थानों के प्रख्यात वैज्ञानिक, शोधकर्ता और शिक्षाविद एक साथ शामिल हुए।

मुख्य अतिथि भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के अध्यक्ष डॉ. डी. के. शुक्ला ने परमाणु ऊर्जा की बहुमुखी भूमिका पर बोलते हुए कहा कि न केवल बिजली उत्पादन में बल्कि स्वास्थ्य सेवा, कृषि और उद्योग जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक अनुप्रयोगों में भी परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने न्यूक्लीयर पावर प्लांट की सुरक्षा के बारे में अपनाये जाने वाले तरीकों की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि एटोमिक ऊर्जा का उत्पादन न केवल सुरक्षित हो बल्कि कार्बन मुक्त भी हो। प्रो. शुक्ला ने ऊर्जा उत्पादन की तेजी से बढ़ती मांग के दृष्टिगत उसके समक्ष आने वाली चुनौतियों पर भी विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने सम्मेलन को परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड से प्राप्त सहयोग को रेखांकित करते हुए कहा कि इससे परमाणु सुरक्षा, विनियमन और अत्याधुनिक अनुसंधान पर उच्च स्तरीय व्याख्यानों को बढ़ावा देने में इसके महत्व को मान्यता मिली है।

कुलपति प्रो. नईमा खातून ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और शिक्षण और अनुसंधान दोनों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में विभाग की दूरदर्शी भूमिका की सराहना की। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय में एएमयू की स्थायी विरासत और देश में परमाणु विज्ञान को आगे बढ़ाने में इसके महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया।

प्रो. ए. के. जैन (आईआईटी रुड़की) ने एएमयू में परमाणु अनुसंधान की विरासत पर बात की और वैज्ञानिक सहयोग और उत्कृष्टता के पोषण में इस तरह के सम्मेलनों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

एनपीसीआईएल के निदेशक (संचालन) डॉ. एस. डी. परसवार ने भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और राष्ट्र के लिए टिकाऊ और सुरक्षित ऊर्जा समाधान सुनिश्चित करने में परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। प्रोफेसर ए. के. चौबे, सम्मानित अतिथि और भौतिकी विभाग के पूर्व अध्यक्ष, ने व्यक्तिगत विचार साझा किए और अकादमिक और अनुसंधान परंपराओं के बारे में बात की, जिन्होंने दशकों से विभाग की यात्रा को आकार दिया है।

विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर सरताज तबस्सुम ने सम्मेलन के आयोजन में विभाग के नेतृत्व की सराहना की और उच्च प्रभाव वाले वैज्ञानिक प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए संकाय की प्रतिबद्धता दोहराई।

इससे पूर्व, भौतिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनीसुल ऐन उस्मानी ने उपस्थितजनों और प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और परमाणु भौतिकी के क्षेत्र में विभाग की समृद्ध शैक्षणिक विरासत और उपलब्धियों का उल्लेख किया।

सम्मेलन के संयोजक प्रो. बी. पी. सिंह ने सम्मेलन के विषयों का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें विदेशी नाभिक की परमाणु संरचना, भारी–आयन प्रतिक्रिया गतिशीलता, संलयन और विखंडन प्रक्रियाएं और चिकित्सा, ऊर्जा और उद्योग में परमाणु तकनीकों का अनुप्रयोग शामिल है। उन्होंने राष्ट्रीय अनुसंधान कार्यक्रमों में विभाग के दीर्घकालिक योगदान और परमाणु भौतिकविदों की पीढ़ियों को प्रशिक्षित करने में इसकी भूमिका पर भी जोर दिया।

सम्मेलन में विभिन्न प्रमुख संस्थानों के प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा 80 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और 30 आमंत्रित वार्ताएँ होंगी। आमंत्रित वक्ताओं में से कुछ आभासी रूप से भाग ले रहे हैं, व्यक्तिगत बाधाओं के कारण अपनी बातचीत ऑनलाइन दे रहे हैं।

कार्यक्रम का समापन सह–संयोजक प्रो. शकेब अहमद द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने कार्यक्रम का संचालन भी किया।

दैनिक अमर प्रकाश अलीगढ

विज्ञान को मानव आवश्यकताओं से जोड़ का आव्हान,

एएमयू में परमाणु विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस आरंभ

अलीगढ़ 05 मई 25(अमर प्रकाश)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा परमाणु संरचना और परमाणु प्रतिक्रियाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएन एसएनआर–2025) का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया गया, जिसमें भारत और विदेशों के प्रमुख संस्थानों के प्रख्यात वैज्ञानिक, शोधकर्ता और शिक्षाविद एक साथ शामिल हुए। मुख्य अतिथि भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के अध्यक्ष डॉ. डी. के. शुक्ला ने परमाणु ऊर्जा की बहुमुखी भूमिका पर बोलते हुए कहा कि न केवल बिजली उत्पादन में बल्कि स्वास्थ्य सेवा, कृषि और उद्योग जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक अनुप्रयोगों में भी परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने न्यूक्लीयर पावर प्लांट की सुरक्षा के बारे में अपनाये जाने वाले तरीकों की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि एटोमिक ऊर्जा का उत्पादन न केवल सुरक्षित हो बल्कि कार्बन मुक्त भी हो। प्रो. शुक्ला ने ऊर्जा उत्पादन की तेजी से बढ़ती मांग के दृष्टिगत उसके समक्ष आने वाली चुनौतियों पर भी विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने सम्मेलन को परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड से प्राप्त सहयोग को रेखांकित करते हुए कहा कि इससे परमाणु सुरक्षा, विनियमन और अत्याधुनिक अनुसंधान पर उच्च स्तरीय व्याख्यानों को बढ़ावा देने में इसके महत्व को मान्यता मिली है। कुलपति प्रो. नईमा खातून ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और शिक्षण और अनुसंधान दोनों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में विभाग की दूरदर्शी भूमिका की सराहना की। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय में एएमयू की स्थायी विरासत और देश में परमाणु विज्ञान को आगे बढ़ाने में इसके महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया। प्रो. ए. के. जैन (आईआईटी रुड़की) ने एएमयू में परमाणु अनुसंधान की विरासत पर बात की और वैज्ञानिक सहयोग और उत्कृष्टता के पोषण में इस तरह के सम्मेलनों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। एनपीसीआईएल के निदेशक (संचालन) डॉ. एस. डी. परसवार ने भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और राष्ट्र के लिए टिकाऊ और सुरक्षित ऊर्जा समाधान सुनिश्चित करने में परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। प्रोफेसर ए. के. चौबे, सम्मानित अतिथि और भौतिकी विभाग के पूर्व अध्यक्ष, ने व्यक्तिगत विचार साझा किए और अकादमिक और अनुसंधान परंपराओं के बारे में बात की, जिन्होंने दशकों से विभाग की यात्रा को आकार दिया है। विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर सरताज तबस्सुम ने सम्मेलन के आयोजन में विभाग के नेतृत्व की सराहना की और उच्च प्रभाव वाले वैज्ञानिक प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए संकाय की प्रतिबद्धता दोहराई। इससे पूर्व, भौतिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनीसुल ऐन उस्मानी ने उपस्थितजनों और प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और परमाणु भौतिकी के क्षेत्र में विभाग की समृद्ध शैक्षणिक विरासत और उपलब्धियों का उल्लेख किया। सम्मेलन के संयोजक प्रो. बी. पी. सिंह ने सम्मेलन के विषयों का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें विदेशी नाभिक की परमाणु संरचना, भारी–आयन प्रतिक्रिया गतिशीलता, संलयन और विखंडन प्रक्रियाएं और चिकित्सा, ऊर्जा और उद्योग में परमाणु तकनीकों का अनुप्रयोग शामिल हैं। उन्होंने राष्ट्रीय अनुसंधान कार्यक्रमों में विभाग के दीर्घकालिक योगदान और परमाणु भौतिकविदों की पीढ़ियों को प्रशिक्षित करने में इसकी भूमिका पर भी जोर दिया। सम्मेलन में विभिन्न प्रमुख संस्थानों के प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा 80 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुतियाँ और 30 आमंत्रित वार्ताएँ होंगी। आमंत्रित वक्ताओं में से कुछ आभासी रूप से भाग ले रहे हैं, व्यक्तिगत बाधाओं के कारण अपनी बातचीत ऑनलाइन दे रहे हैं। कार्यक्रम का समापन सह–संयोजक प्रो. शकेब अहमद द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने कार्यक्रम का संचालन भी किया।

अलीगढ़ | मंगलवार, 6 मई 2025

अमर उजाला

सम्मेलन

एएमयू में परमाणु संरचना व प्रतिक्रियाओं पर हुआ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

स्वास्थ्य सेवा, कृषि व उद्योग में परमाणु ऊर्जा की भूमिका अहम : डॉ. शुक्ला

अमर उजाला ब्यूरो

सम्मेलन में स्मारिका का विमोचन करते डॉ. डीके शुक्ला. प्रोफेसर नईमा खातून, प्रो. एके जैन, डॉ. एसडी पारसवार, प्रो. बीपी सिंह व अन्य। स्रोत : विवि

अलीगढ़। परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के अध्यक्ष डॉ. डीके शुक्ला ने कहा कि बिजली उत्पादन में ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य सेवा, कृषि और उद्योग में भी परमाणु ऊर्जा की भूमिका अहम है।

सोमवार को एएमयू के भौतिकी विभाग की ओर से परमाणु संरचना और परमाणु प्रतिक्रिया विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वह बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि एटॉमिक ऊर्जा का उत्पादन न केवल सुरक्षित हो बल्कि कार्बन मुक्त भी हो।

उन्होंने कहा कि इससे परमाणु सुरक्षा, विनियमन और अत्याधुनिक अनुसंधान पर उच्च स्तरीय व्याख्यान को बढ़ावा देने में इसके महत्व को मान्यता मिली है। कुलपति प्रो. नईमा खातून ने वैज्ञानिक समुदाय में एएमयू की स्थायी विरासत और देश में परमाणु विज्ञान को आगे बढ़ाने में इसके महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया।

आईआईटी रुड़की के प्रो. एके जैन ने एएमयू में परमाणु अनुसंधान की विरासत पर बात की। एनपीसीआईएल के निदेशक (संचालन) डॉ. एसडी परसवार ने भारत की बढ़ती ऊर्जा, राष्ट्र के लिए टिकाऊ और सुरक्षित ऊर्जा समाधान सुनिश्चित करने में परमाणु ऊर्जा के बारे में बताया।

प्रो. एके चौबे, विज्ञान संकाय के डीन प्रो. सरताज तबस्सुम, भौतिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनीसुल ऐन उस्मानी, सम्मेलन के संयोजक प्रो. बीपी सिंह ने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में विभिन्न प्रमुख संस्थानों के प्रमुख विशेषज्ञों ने 80 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए। सह-संयोजक प्रो. शकेब अहमद ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Hindustan Times
NEW DELHI
TUESDAY
MAY 06, 2025

Role of nuclear energy highlighted

ALIGARH: The Department of Physics, Aligarh Muslim University, inaugurated the International Conference on Nuclear Structure and Nuclear Reactions (ICNSNR-2025) on Monday, bringing together eminent scientists, researchers, and academicians from premier institutions across India and abroad. Chief guest, Dr. D. K. Shukla, Chairman of the Atomic Energy Regulatory Board (AERB), Government of India, delivered a thought-provoking address on the multifaceted role of nuclear energy.

He highlighted its significance not only in power generation but also in strategic applications across sectors like healthcare, agriculture, and industry, while underlining the importance of stringent safety measures and responsible innovation.

अलीगढ़/आसपास जागरण
अलीगढ़, 6 मई, 2025 दैनिक जागरण

बिजली उत्पादन के साथ स्वास्थ्य, कृषि व उद्योग में भी परमाणु ऊर्जा की भूमिका

एएमयू में आयोजित सम्मेलन बोले एईआरबी के अध्यक्ष डा. डीके शुक्ला

जासं, अलीगढ़ : भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के अध्यक्ष डा. डीके शुक्ला ने कहा कि न केवल बिजली उत्पादन में बल्कि स्वास्थ्य सेवा, कृषि और उद्योग जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक अनुप्रयोगों में भी परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने न्यूक्लियर पावर प्लांट की सुरक्षा के बारे में अपनाए जाने वाले तरीकों पर चर्चा की। कहा कि इसमें इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि एटोमिक ऊर्जा का उत्पादन न केवल सुरक्षित हो बल्कि कार्बन मुक्त भी हो। एएमयू के भौतिकी विभाग में सोमवार को परमाणु संरचना और परमाणु प्रतिक्रियाओं पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इसमें देश के साथ ही विदेशों के प्रमुख संस्थानों के वैज्ञानिक, शोधकर्ता और शिक्षाविद भाग ले रहे हैं।

मुख्य अतिथि प्रो. शुक्ला ने ऊर्जा उत्पादन की तेजी से बढ़ती मांग के दृष्टिगत उसके समक्ष आने वाली चुनौतियों पर भी विस्तृत रूप से बताया। सम्मेलन को परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड से प्राप्त सहयोग को रेखांकित किया। कहा कि इससे परमाणु सुरक्षा, विनियमन और अत्याधुनिक अनुसंधान पर उच्च स्तरीय व्याख्यानों को बढ़ावा देने में इसके महत्व को मान्यता मिली है। कुलपति प्रो. नईमा खातून ने अध्यक्षता करते हुए शिक्षण और अनुसंधान दोनों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में विभाग की दूरदर्शी भूमिका की सराहना की। आइआइटी रुड़की के प्रो. एके जैन ने एएमयू में परमाणु अनुसंधान की विरासत पर बात की और वैज्ञानिक सहयोग और उत्कृष्टता के पोषण में इस तरह के सम्मेलनों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। एनपीसीआइएल के निदेशक डा. एसडी परसवार ने भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और राष्ट्र के लिए टिकाऊ और सुरक्षित ऊर्जा समाधान सुनिश्चित करने में परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। संयोजक प्रो. बीपी सिंह ने सम्मेलन के विषयों का अवलोकन प्रस्तुत किया।

एएमयू के भौतिक विज्ञान विभाग में आयोजित परमाणु संरचना और परमाणु प्रतिक्रियाओं पर अंतर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए डा. डीके शुक्ला। मंचासीन कुलपति प्रो. नईमा खातून, प्रो. एके जैन, डा. एसडी परसवार और प्रो. बीपी सिंह ● सौ. एएमयू

युद्ध की स्थिति में भारत के सभी न्यूक्लियर पावर प्लांट सुरक्षित

एईआरबी के अध्यक्ष डा. डीके शुक्ला ने कहा कि युद्ध की स्थिति में देश के सभी 25 न्यूक्लियर पावर प्लांट सुरक्षित हैं। उनका कुछ भी बिगड़ने वाला नहीं है। उन्हें पांच लेयर से सुरक्षित किया गया है। एएमयू के भौतिक विज्ञान विभाग में दैनिक जागरण से बातचीत में उन्होंने कहा कि सुरक्षा का एक-दो लेयर क्षतिग्रस्त हो गया तो कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। न्यूक्लियर पावर प्लांट में कंक्रीट की कई लेयर की दीवार होती है, वो ही उसे सुरक्षित करती हैं। प्लांट को ठंडा रखना अहम होता है। जब तक कूलिंग रहेगी प्लांट का कुछ नहीं बिगड़ने वाला। हर प्लांट में इमरजेंसी के लिए सात दिन के लिए पानी रखा जाता है। नरौरा परमाणु केंद्र में 1993 में आग लगने की घटना हुई थी। थर्मोसाइफन प्रक्रिया से गर्म पानी ऊपर जाकर खुद ही ठंडा हो जाता है। सरकार का 2047 तक कम से कम 100 गीगावाट की परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य है। इसके लिए विश्वविद्यालयों में ट्रेनिंग देनी होगी। एएमयू में ये काम बखूबी हो सकता है।

शैक्षिक व व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाएं छात्र

जासं, अलीगढ़ : एएमयू के विधि संकाय द्वारा छात्र संगठन ला सोसाइटी के सत्र 2024-25 के समापन समारोह का आयोजन मूट कोर्ट हाल में किया गया। सत्र की उपलब्धियों पर विधि के छात्रों की प्रशंसा हुई और शाबाशी दी गईं। मूट कोर्ट सोसाइटी के प्रो. इशरत हुसैन, विवाद व चर्चा प्रकोष्ठ के प्रो. सैयद अली नवाज जैदी को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि स्टूडेंट वेलफेयर के डीन प्रो. रफीउद्दीन ने कहा कि विश्वविद्यालय का विधि संकाय राष्ट्रीय विमर्श को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे संस्थान की परंपराओं और मूल्यों को बनाए रखते हुए विश्वविद्यालय से मिल रहे शैक्षिक और व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाएं। विधि संकाय के डीन और ला सोसाइटी के पदेन अध्यक्ष प्रो. एमजेडएम नोमानी ने अतिथियों का स्वागत किया। ला सोसाइटी के पदाधिकारियों को सफल सत्र के लिए बधाई दी। ला सोसाइटी के प्रभारी प्रो. हशमत अली खान ने अंतिम वर्ष के छात्रों को विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाने की सलाह दी। अतिरिक्त प्रभारी डा. सैयद मोहम्मद यावर ने ला सोसाइटी की नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता, शैक्षणिक सेमिनार और शैक्षणिक जेल भ्रमण आदि उपलब्धियों के बारे में बताकर सराहना की। उपाध्यक्ष मोहम्मद हारिस ने वक्तव्य से उत्साह बढ़ाया।

मुख्य अतिथि फैकल्टी कोआर्डिनेटर्स और विभिन्न कमेटियों के अध्यक्षों को पारंपरिक रूप से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने संपादकीय बोर्ड के डा. तबस्सुम चौधरी और ला सोसाइटी के सचिव हम्माद खान, संयुक्त सचिवों और अन्य सभी छात्र पदाधिकारियों को सम्मानित किया।

ला सोसायटी की ओर से आयोजित समारोह में डीएसडब्ल्यू प्रो. रफीउद्दीन को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्रो. एमजेडएम नोमानी और प्रो. हशमत अली खान ● सौ. एएमयू

हिन्दुस्तान
अलीगढ़, मंगलवार, 6 मई 2025

एएमयू में परमाणु विज्ञान पर गहन चर्चा

कॉन्फ्रेंस

अलीगढ़, कार्यालय संवाददाता। एएमयू के भौतिकी विभाग द्वारा परमाणु संरचना और परमाणु प्रतिक्रियाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनएसएनआर-2025) का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया गया, जिसमें भारत और विदेशों के प्रमुख संस्थानों के प्रख्यात वैज्ञानिक, शोधकर्ता और शिक्षाविद एक साथ शामिल हुए।

मुख्य अतिथि भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के अध्यक्ष डॉ. डी. के. शुक्ला ने परमाणु ऊर्जा की बहुमुखी भूमिका पर बोलते हुए कहा कि न केवल बिजली उत्पादन में बल्कि स्वास्थ्य सेवा, कृषि और उद्योग जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक अनुप्रयोगों में भी परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने न्यूक्लीयर पावर प्लांट की सुरक्षा के बारे में अपनाये जाने वाले तरीकों की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि एटोमिक ऊर्जा का उत्पादन न केवल सुरक्षित हो बल्कि कार्बन मुक्त भी हो। विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर सरताज तबस्सुम ने सम्मेलन के आयोजन में विभाग के नेतृत्व की सराहना की।

देश में विषय को आगे बढ़ाने में बताया योगदान

कुलपति प्रो. नईमा खातून ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और शिक्षण और अनुसंधान दोनों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में विभाग की दूरदर्शी भूमिका की सराहना की। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय में एएमयू की स्थायी विरासत और देश में परमाणु विज्ञान को आगे बढ़ाने में इसके महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया। प्रो. एके जैन (आईआईटी रुड़की) ने एएमयू में परमाणु अनुसंधान की विरासत पर बात की और वैज्ञानिक सहयोग और उत्कृष्टता के पोषण में इस तरह के सम्मेलनों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया।